बिना वैध अनुमति और मानकों के संचालन के आरोप, विभागीय निगरानी पर सवाल

बिना पंजीयन चल रहे निजी अस्पताल और पैथोलॉजी लैब
नियमों की अनरेखी, मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़!

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा, मनीष गड़करी

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की आड़ में बड़ा खेल चलने की आशंका ने चिकित्सा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप हैं कि जिले के कई निजी नर्सिंग होम एवं अस्पतालों में बिना वैध पंजीयन, बिना आवश्यक अनुमति और निर्धारित मानकों का पालन किए पैथोलॉजी लैब संचालित की जा रही हैं। यदि शिकायतें सही पाई जाती हैं तो यह मामला केवल नियमों के उल्लंघन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सीधे-सीधे मरीजों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़े गंभीर खतरे का विषय बन जाएगा। सूत्रों से प्राप्त जानकारी एवं स्थानीय स्तर पर सामने आई शिकायतों के अनुसार कई निजी अस्पताल अपने परिसर में पैथोलॉजी जांच की सुविधा उपलब्ध तो करा रहे हैं, लेकिन इन लैबों के संचालन के लिए आवश्यक वैधानिक पंजीयन, मान्यता एवं अन्य अनिवार्य औपचारिकताओं का पालन नहीं किया गया है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिन जांच रिपोर्टों के आधार पर मरीजों का इलाज किया जा रहा है, उनकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा?

नियम कहते हैं पहले पंजीयन, फिर संचालन

स्वास्थ्य क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि किसी भी पैथोलॉजी लैब का संचालन निर्धारित नियमों, योग्य विशेषज्ञों की उपलब्धता, आवश्यक उपकरणों, गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था तथा संबंधित विभाग से विधिवत पंजीयन प्राप्त करने के बाद ही किया जा सकता है। इन नियमों का उद्देश्य केवल औपचारिकता पूरी करना नहीं बल्कि मरीजों को सही जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराना है।यदि बिना वैध अनुमति के लैब संचालित हो रही हैं तो यह न केवल नियामक व्यवस्था की विफलता दर्शाता है बल्कि मरीजों के उपचार को भी प्रभावित कर सकता है। गलत या संदिग्ध जांच रिपोर्ट के आधार पर मरीज को गलत दवा, अनावश्यक इलाज या गंभीर बीमारी की गलत पहचान जैसी परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं। अभी हाल ही में चतुर्वेदी डेंटल क्लीनिक की शिकायत हुई है जिस पर बिना रजिस्ट्रेशन के संचालन का आरोप लगे है।

स्वास्थ्य विभाग की निगरानी पर सवाल

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि जिले में लंबे समय से ऐसी लैब संचालित हो रही हैं तो संबंधित अधिकारियों की नियमित निरीक्षण व्यवस्था आखिर कहां है? क्या समय-समय पर निजी अस्पतालों एवं नर्सिंग होम का निरीक्षण किया जाता है? यदि किया जाता है तो बिना पंजीयन लैब कैसे संचालित होती रहीं? और यदि निरीक्षण नहीं हुआ तो इसकी जिम्मेदारी किसकी तय होगी?जानकारों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग को प्रत्येक निजी अस्पताल में संचालित पैथोलॉजी सेवाओं का रिकॉर्ड उपलब्ध होना चाहिए। यदि ऐसा नहीं है तो यह निगरानी व्यवस्था की गंभीर कमजोरी मानी जाएगी।

मरीजों की जेब पर भी पड़ सकता है असर

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि कई निजी अस्पताल मरीजों को बाहर की मान्यता प्राप्त लैब में जांच कराने के बजाय अपनी ही लैब में जांच कराने के लिए प्रेरित करते हैं। यदि ऐसी लैब वैधानिक रूप से पंजीकृत नहीं हैं तो मरीजों से वसूली जाने वाली जांच राशि की वैधता पर भी प्रश्न उठता है। लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवा के नाम पर मरीजों की मजबूरी का लाभ नहीं उठाया जाना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती पूरे जिले में संचालित निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम एवं पैथोलॉजी लैब का व्यापक सत्यापन अभियान चलाने की है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रत्येक संस्थान से पंजीयन प्रमाणपत्र, लाइसेंस, योग्य तकनीकी स्टाफ की जानकारी तथा उपकरणों के गुणवत्ता मानकों की जांच की जानी चाहिए। जिन संस्थानों में अनियमितताएं पाई जाएं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होना आवश्यक है।

सामाजिक संगठनों ने उठाई पारदर्शिता की मांग

जिले के कई सामाजिक संगठनों एवं जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि स्वास्थ्य विभाग जिले के सभी निजी अस्पतालों एवं नर्सिंग होम की सूची सार्वजनिक करे तथा यह भी स्पष्ट करे कि किन संस्थानों के पास वैध पंजीयन प्राप्त पैथोलॉजी लैब संचालित करने की अनुमति है। उनका कहना है कि पारदर्शिता से ही मरीजों का विश्वास कायम रहेगा और अवैध गतिविधियों पर रोक लग सकेगी। विशेषज्ञ बोले—जांच रिपोर्ट ही इलाज की नींवचिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार आधुनिक चिकित्सा में लगभग हर गंभीर बीमारी का उपचार जांच रिपोर्ट पर आधारित होता है। यदि रक्त, मूत्र, बायोकेमिस्ट्री या अन्य पैथोलॉजिकल जांचों में त्रुटि होती है तो पूरा उपचार प्रभावित हो सकता है। इसलिए पैथोलॉजी लैब का संचालन केवल प्रशिक्षित विशेषज्ञों और निर्धारित मानकों के अनुरूप होना अत्यंत आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के दावे करता है, लेकिन यदि जिले में बिना पंजीयन लैब संचालित होने की शिकायतें सही साबित होती हैं तो यह उन दावों की वास्तविकता पर भी प्रश्नचिह्न होगा। आम नागरिकों का कहना है कि कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि वास्तविक निरीक्षण कर दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

वे सवाल जिनके जवाब जल्द होंगे सामने

- जिले में कुल कितनी निजी पैथोलॉजी लैब पंजीकृत हैं?कितने निजी अस्पताल अपने परिसर में पैथोलॉजी लैब संचालित कर रहे हैं?
- क्या सभी लैब के पास वैध पंजीयन एवं आवश्यक अनुमति उपलब्ध है?
- पिछले तीन वर्षों में स्वास्थ्य विभाग ने कितने निरीक्षण किए?
- बिना अनुमति संचालन पाए जाने पर अब तक कितनी कार्रवाई हुई?
- क्या मरीजों से ली गई जांच शुल्क की भी जांच होगी?
- क्या पैथालॉजी लैब में एमडी डॉक्टर है?
- इन सवालों के जवाब आने वाले समय में पूरे मामले की तस्वीर स्पष्ट कर सकते हैं।

इधर भी रखे नजर, हटके है खबर...

कृषि विभाग पर वसूली के गंभीर आरोप, शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं?

हरिभूमि न्यूज, छिंदवाड़ा। शहर में कृषि आदान सामग्री विक्रेताओं के बीच इन दिनों यह चर्चा जोरों पर है कि कृषि विभाग के कुछ अधिकारियों पर कथित रूप से निरीक्षण के नाम पर अवैध वसूली किए जाने के आरोप लग रहे हैं। व्यापारियों का दावा है कि चलने वाली दुकानों से 5,000 से 10,000 तक की मांग की जाती है, जबकि कम कारोबार वाली दुकानों से भी कथित रूप से राशि मांगी जाती है। आरोप है कि राशि नहीं देने पर पीसी दिखाने, माल जब्त करने, गोदाम सील करने और प्रकरण दर्ज करने की चेतावनी दी जाती है। कुछ व्यापारियों का यह भी कहना है कि कथित तौर पर कुछ अधिकारी कार्यालय के बजाय अवकाश के दिन निजी स्थानों पर बुलाकर लेन-देन करने का दबाव बनाते हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले इन कथित मामलों की शिकायत जिला उप संचालक कृषि कार्यालय में भी की गई थी, लेकिन शिकायत पर अब तक किसी ठोस कार्रवाई या जांच की जानकारी सामने नहीं आई है। इससे शिकायतकर्ताओं में नाराजगी और असंतोष बढ़ रहा है। यदि लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मामला न केवल विभागीय कार्यप्रणाली बल्कि किसानों और व्यापारियों के भरोसे पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि संबंधित अधिकारी इन आरोपों पर क्या स्पष्टीकरण देते हैं और सक्षम प्रशासन निष्पक्ष जांच कर क्या कार्रवाई करता है।

नशे में स्कूल पहुंचा शिक्षक, जनप्रतिनिधि की शिकायत के बाद कार्रवाई तेज

वीडियो और लिखित शिकायत के आधार पर जांच शुरू, बीआरसी ने पंचनामा बनाया, शिक्षक पर निलंबन की तलवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

परासिया विकासखंड के एक शासकीय विद्यालय में पदस्थ शिक्षक के शराब के नशे में स्कूल पहुंचने का मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। जनपद सदस्य की शिकायत और वीडियो सामने आने के बाद विभागीय अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। मामले में संबंधित शिक्षक पर निलंबन की कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत खिरसाडोह के अंतर्गत संचालित एक शासकीय विद्यालय में गुरुवार को एक शिक्षक कथित रूप से शराब के नशे में बच्चों को पढ़ाने पहुंचा। इसकी सूचना क्षेत्र के जनपद सदस्य सुनील अहाके को मिली तो वे तत्काल विद्यालय पहुंचे। उन्होंने शिक्षक का वीडियो बनाया और विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ), विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) तथा जिला शिक्षा अधिकारी को भेजकर कार्रवाई की मांग की। जनपद सदस्य सुनील अहाके ने 9 जुलाई 2026 को विकासखंड शिक्षा अधिकारी को लिखित शिकायत भी सौंपी।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संबंधित शिक्षक अक्सर विद्यालय समय पर शराब के नशे में पहुंचता है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि शिक्षक का व्यवहार बच्चों के भविष्य और उनके मानसिक विकास के लिए नुकसानदायक है।

उन्होंने शिक्षक को तत्काल विद्यालय से हटाकर विभागीय कार्रवाई करने और किसी अन्य शिक्षक की पदस्थापना की मांग की है।मामले की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग के अधिकारी विद्यालय पहुंचे। बीआरसी श्याम गुन्हेरे ने बताया कि जांच के दौरान संबंधित शिक्षक नशे की हालत में पाया गया। मौके पर पंचनामा तैयार कर लिया गया है तथा पूरी रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि संबंधित शिक्षक पहले भी विभागीय कार्रवाई का सामना कर चुका है और पूर्व में निलंबित भी हो चुका है।

अब पूरे मामले में शिक्षा विभाग की अगली कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित शिक्षक पर निलंबन सहित कड़ी विभागीय कार्रवाई की जा सकती है। स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने भी विद्यालयों में अनुशासन और बच्चों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जिले में अभी तक 294.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 294.2 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 406.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 09 जुलाई 2026 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 23.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है।

अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 09 जुलाई 2026 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील छिंदवाड़ा में 5.2, मोहखेड़ में 9.4, तामिया में 45, अमरवाड़ा में 38.2, चौरई में 4.2, हर्रई में 12.4, बिछुआ में 3.4, परासिया में 21.3, जुन्नारदेव में 59.4, चांद में 0.2 और उमरेठ में 62.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

समाजसेवी दयानंद ने कमानिया गेट के पास भरे गड्ढे

छिंदवाड़ा। कमानिया गेट के पास विगत लंबे समय से जहॉ-तहॉ बड़े-बड़े गड्ढे हो जाने के कारण बाजार में आने वाले आम नागरिकों के वाहन इन गड्ढों में फंसने एवं बारिस में जलभराव के कारण पैदल चलने वाले लोगों के इसमें गिर रहे थे, जिसे लेकर स्थानीय नागरिकों में आक्रोष व्याप्त था और उन्होनें इस संबंध में निगम प्रशासन को भी अवगत कराया परंतु ये गड्ढे नहीं भरे गये, जबकि यह शहर का अत्यंत ही व्यस्ततम मार्ग है, जहॉ से प्रतिदिन हजारों लोग अवागमन करते हैं । समाजसेवी दयानंद ने आये दिन हो रही घटनाओं एवं प्रतिदिन इसी स्थान निकलने वाली रैलियों को देखते हुये प्रशासन का ध्यानाकर्षण करने के लिये स्वयं इन गड्ढो भरा एवं नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि फब्बारा चैक से कमानिया गेट तक शीघ्र मार्ग बनवाया जावे जिससे आमजन के होने वाली घटनाओं पर रोक लग सके ।

रेत माफिया के आगे बेअसर प्रशासन!

तामिया में एसडीएम के आदेशों को खुली चुनौती

गश्त और चेकिंग के दावों के बीच धड़ल्ले से हो रहा अवैध उत्खनन व परिवहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

तामिया क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर किए जा रहे प्रयासों के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि राजस्व एवं खनिज विभाग की गश्त के बाद भी रेत माफिया सक्रिय हैं और नदी-नालों से अवैध रूप से रेत निकालकर विभिन्न स्थानों पर उसका भंडारण तथा निर्माण कार्यों में उपयोग किया जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र के कई नदी-नालों के किनारे बड़ी मात्रा में रेत का अवैध भंडारण देखा जा सकता है। वहीं विभिन्न सरकारी एवं निजी निर्माण स्थलों पर भी बिना वैध अनुमति लाई गई रेत का उपयोग किए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं।जानकारी के अनुसार जुन्नारदेव के एसडीएम ने 11 मई 2026 को पत्र क्रमांक 1455 जारी कर रेत चोरी रोकने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए थे। आदेश के तहत राजस्व, खनिज, वन एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी कुआं-बादला तिराहे सहित प्रमुख मार्गों पर लगाई गई थी, ताकि अवैध परिवहन पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि लिखित आदेश जारी होने के बाद भी अवैध रेत का परिवहन लगातार जारी है। इससे यह सवाल उठ रहे हैं कि तैनात अमला रेत चोरी रोकने में असफल क्यों साबित हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासनिक निगरानी के बावजूद रेत से भरे वाहन क्षेत्र में बेखौफ आवाजाही कर रहे हैं, जिससे कार्रवाई की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।स्थानीय नागरिकों का दावा है कि तहसीलदार के बंगले और तहसील कार्यालय के बीच मुख्य मार्ग पर चल रहे निर्माण कार्यों सहित भारिया ढाना में निर्माणाधीन संग्रहालय, पाटन मार्ग स्थित आईटीआई कॉलेज, सांदीपनी स्कूल परिसर में बन रहे कन्या छात्रावास, पुराने मिडिल स्कूल परिसर में निर्माणाधीन छात्रावास, मंगल भवन तथा अन्य निर्माण स्थलों पर भी कथित रूप से अवैध रूप से लाई गई रेत का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

एक माह से बंद घरों में चोरी करने वाला गिरोह गिरफ्तार

पांच आरोपी दबोचे, चोरी का सामान बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमुआ

थाना दमुआ पुलिस ने बंद मकानों में चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान एवं वारदात में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल जब्त की हैं। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 7 जुलाई 2026 को करमोहनीबंधी घोड़ावाड़ी निवासी नईम कुरैशी (42) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ठेकेदारी का कार्य करते हैं और कृषि कार्य के लिए लगभग एक माह से अमरवाड़ा के ग्राम सोनपुर जागीर गए हुए थे। लौटने पर उन्होंने देखा कि घर के पीछे स्थित स्टोर रूम का दरवाजा खोलकर अज्ञात चोर पानी भरने का टिल्लू पंप, लोहे की कढ़ाई, पुराना लोहे का सिलबट्टा तथा कूलर का एग्जॉस्ट फैन चोरी कर ले गए हैं।

मोहल्ले के लोगों से पूछताछ में यह भी जानकारी मिली कि इसी अवधि में सुरेश राव के घर से भी टिल्लू पंप चोरी हुआ था।प्रार्थी की शिकायत पर थाना दमुआ में अपराध क्रमांक 136/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(4) एवं 305(ए) के तहत मामला कायम कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने मुखबिर तंत्र सक्रिय कर संदेहियों की तलाश शुरू की। पूछताछ के दौरान संदीप धुर्वे, शैलेन्द्र हनोते, उस्मान राईन, आकाश बाबरिया उर्फ लल्ला तथा विकास ठाकुर उर्फ केली ने चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

पुलिस ने सभी आरोपियों को 8 जुलाई 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। आरोपियों के कब्जे से दो टिल्लू पंप, लोहे की एंगल तथा वारदात में प्रयुक्त एक एचएफ डीलक्स और एक हीरो एचएफ स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल जब्त की गई है।

पुलिस अन्य चोरी की घटनाओं में भी आरोपियों की संलिप्तता की जांच कर रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद सिरसाम के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक रविशंकर उइके, प्रधान आरक्षक संदीप चौरसिया, आरक्षक मैनसिंह उइके, सुरजीत मरकाम तथा राजकुमार धुर्वे का विशेष योगदान रहा। दमुआ पुलिस ने आमजन से अपील की है कि लंबे समय के लिए घर छोड़ने पर पड़ोसियों को सूचना दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को उपलब्ध कराएं।

सिविल अस्पताल हर्रई में सफलता की कहानी: सर्पदंश से 4 अनमोल जीवन बचाए गए

हर्रई। विकासखंड हर्रई में अलग-अलग स्थानों पर सर्पदंश की चार गंभीर घटनाएँ सामने आईं। इनमें ग्राम रातामाटी (भैंसा खुर्द) की 17 वर्षीय ज्योति उइके (पिता सुरेश उइके), बाटकाखापा के 17 वर्षीय वीरेंद्र, ग्राम बुदैना चट्टी की श्रीमती डमरू अहिरवार, तथा ग्राम नान्दना पिपरिया के 17 वर्षीय आकाश उइके (पिता महेश उइके) सर्पदंश का शिकार हुए।घटना की सूचना मिलते ही **CHO**, **ASHA**, पटवारी, सचिव, पुलिस विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम तत्काल सक्रिय हो गई। ज्योति उइके को **CHO** द्वारा अपनी निजी गाड़ी से तुरंत अस्पताल पहुँचाया गया। श्रीमती डमरू अहिरवार को पटवारी देवेन्द्र के सहयोग से सुरक्षित अस्पताल पहुँचाया गया, जबकि आकाश उइके को पटवारी आकाश एवं रोहित के सहयोग से समय पर अस्पताल लाया गया। सभी मामलों में विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट समन्वय और त्वरित कार्रवाई से मरीजों को बिना विलंब के उपचार उपलब्ध कराया गया।अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा समय पर एंटी स्नेक वेनम (**ASV**) सहित आवश्यक उपचार प्रारंभ किया गया। **CHO**, **ASHA**, पटवारी, सचिव, पुलिस विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की सजगता, समय पर रेफरल और बेहतर समन्वय के कारण चारों मरीजों की जान बचाई जा सकी तथा वे स्वस्थ होकर लौटे अपने घर।हर्रई बी एम ओ डॉक्टर रानी वर्मा व समस्त स्टाफ के अथक प्रयास से मिली सफलता। सर्पदंश एक मेडिकल इमरजेंसी है। झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र या घरेलू उपचार में समय बिल्कुल न गंवाएँ। सर्पदंश होने पर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुँचें। समय पर दिया गया एंटी स्नेक वेनम (**ASV**) और उचित उपचार ही जीवन बचाता है।

लोधी समाज युवा विंग प्रदेश अध्यक्ष लोधी सर्वजित सिंह गिरफ्तारी को लेकर ज्ञापन

चौरई :- गुरूवार को जिला लोधी समाज छिंदवाड़ा के समस्त पदाधिकारी एवं समस्त स्वजातीय बंधु द्वारा चौरई एसडीएम कार्यालय में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सोपा गया। जिसमें जिलाअध्यक्ष श्री अतरलाल पटेल प्रदेश उपाध्यक्ष श्री लखन कुमार वर्मा जिला महामंत्री जी एल वर्मा जिला कोषाध्यक्ष सुखलाल वर्मा महिला जिला अध्यक्ष सुकून वर्मा युवा जिला अध्यक्ष महेंद्र वर्मा जिला उपाध्यक्ष रामशरण पटेल रतिराम पटेल डूंगरिया घासीराम वर्मा खुटपिपरिया दिलीप वर्मा चौरई संतोष वर्मा चौरई जगन्नाथ सुलाखिया चौरई जयपाल जाघेला पूर्व आलोक अध्यक्ष ऋषि पटेल आशीष वर्मा जी राजू वर्मा लक्खा पिपरिया शिवदयाल वर्मा पचगांव राजेंद्र वर्मा राजेंद्र वर्मा पप्पू वर्मा और रामकुमार वर्मा हरिओम वर्मा जगदीश प्रसाद वर्मा मुआरी इंद्रपाल वर्मा रामराज वर्मा अतर लाल वर्मा धर्म सिंह वर्मा दिनेश वर्मा अरविंद वर्मा पुष्पा वर्मा सीता वर्मा अभय राम वर्मा महेंद्र सुलाकिया विजय सुलाखिया सूरज वर्मा आदि सामाजिक बंधु ज्ञापन के कार्यक्रम में उपस्थित हुए अनुभाग अधिकारी को ज्ञापन सोपा गया।

थाना चौरई ने साइबर जागरूकता के लिए आयोजित की मैराथन दौड़

चौरई। शहर में साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए आज सुबह साइबर सेल जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 के तहत शानदार मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया।मैराथन का शुभारंभ की विशेष मौजूदगी में थानापरिसर से हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, युवा, महिलाएं, अधिकारी-कर्मचारी और आमजन शामिल हुए।चाक-चौबंद रही सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्थाथानाप्रभारी ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों थाना प्रभारी मोहन सिंह मर्सकोले, सब इंस्पेक्टर पारसनाथ आर्मो, प्रशासनिक अधिकारियों तहसीलदार चरण धुर्वे, सी एम ओ अर्पिता वर्मन, स्कूलो के शिक्षक , **NCC** केडिट, छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

पिपला हादसे के बाद प्रशासन सख्त, अतिक्रमणकारियों में मचा हड़कंप

साहब जी! सौंसर में अतिक्रमण पर कब होगी कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

हाल ही में पिपला में बेलगाम वाहन की चपेट में आने से 7 लोगों के घायल होने की दर्दनाक घटना के बाद जिला प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपना लिया है।

इस घटना से सबक लेते हुए पिपला पुलिस और नगर परिषद की संयुक्त टीम ने मुख्य मार्गों और बस स्टैंड परिसर से अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की है। इस अभियान के तहत सड़क किनारे लगे अस्थाई ठेलों, दुकानों और अन्य अवरोधों को हटाया गया, ताकि आवागमन सुगम हो सके। इस संयुक्त कार्रवाई के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी डी.पी. साहू ने स्पष्ट किया कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है।

उन्होंने अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी कि यदि भविष्य में दोबारा सड़क पर अतिक्रमण किया गया, तो संबंधितों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान चौकी प्रभारी रवि बट्टी सहित नगर परिषद का पूरा अमला मुस्तैद रहा। प्रशासन के इस कड़े कदम से बस स्टैंड और मुख्य मार्गों पर यातायात व्यवस्था में सुधार तो दिखाई दिया, लेकिन साथ ही अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया है।

सुलग रही मांग: कब हटेगा बस स्टैंड और मुख्य मार्गों का अतिक्रमण?

पिपला ना वार की घटना के बाद अब सौसर के जागरूक नागरिकों और स्थानीय निवासियों ने भी शहर के मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाने की मांग को तेज कर दिया है। वर्तमान में सौसर बस स्टैंड, यात्री प्रतीक्षालय, गुरुदेव सेवा आश्रम के सामने, साप्ताहिक बाजार और चौपाटी क्षेत्र में दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध कब्जों के कारण राहगीरों का चलना दूभर हो गया है।विशेष रूप से बस स्टैंड ओर श्री गुरुदेव सेवा आश्रम के सामने फैले अतिक्रमण से वार्ड क्रमांक 15, गुरुदेव कॉलोनी, मोहगांव और आसपास की कॉलोनियों में जाने वाले लोगों, स्कूली बच्चों और महिलाओं को हर दिन भारी जद्दोजहद करनी पड़ती है। गुरुदेव कॉलोनी वासियों ने नपा प्रशासन से मांग की है कि न केवल अतिक्रमण हटाया जाए, बल्कि इस क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी किया जाए। सूत्रों के अनुसार, नगर पालिका प्रशासन अब सौसर में भीअतिक्रमणकारियों पर नकेल कसने की तैयारी कर रहा है। बस स्टैंड क्षेत्र के चिह्नित अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए जाने की खबर है। अब देखना यह है कि क्या प्रशासन अपने इस अभियान में सफल हो पाता है, या यह अतिक्रमणकारी फिर से अपनी जगह जमा लेंगे। शहर की जनता को अब ठोस और स्थाई कार्रवाई का इंतजार है।

पांच साल में नहीं बना आमला और नदुढाना की पुलिया

7 गाँवों हजारों ग्रामीण हो रहे परेशान, छात्र छात्राएं जान जोखिम में डालकर आवागमन को मजबूर ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

योजनाए जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास और बुनियादी सुविधाओं सड़क, बिजली और पानी को हर घर तक पहुँचाने का दावा करती है, वहीं सौसर क्षेत्र की जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है।

आमला से नदुढाना के बीच स्थित एक पुलिया पिछले 5 वर्षों से अधूरे निर्माण की भेंट चढ़ी हुई है, जिसके कारण 7 गाँवों के हजारों ग्रामीण ओर बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर आवागमन करने को मजबूर हैं।

लगभग 5 वर्ष पूर्व, पुरानी पुलिया को तोड़कर नई पुलिया के निर्माण का कार्य शुरू किया गया था। उम्मीद थी कि जल्द ही ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी, लेकिन पांच साल बीत जाने के बाद भी यह पुलिया आज तक अधूरी पड़ी है। निर्माण कार्य की गति इतनी धीमी है कि ग्रामीणों को विकास केवल कागजों पर ही नजर आता है। स्थानीय युवा नेता अल्केश बागड़े ने बताया कि ठेकेदार की लापरवाही और विभागीय उदासीनता के कारण पिछले 5 वर्षों से यहाँ का जनजीवन अस्त-व्यस्त है।

पुलिया निर्माण के दौरान ठेकेदार ने वैकल्पिक मार्ग के रूप में एक अस्थायी 'अप्रोच पुलिया' बनाई थी, जो अब बारिश के कारण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। हालात इतने खराब हैं कि अब इस मार्ग से चार पहिया तो दूर, दोपहिया वाहन निकालना भी जान जोखिम में डालने जैसा है। सबसे बड़ी समस्या स्कूली छात्र-छात्राओं और मरीजों के लिए पैदा हो गई है।

बारिश के दिनों में स्कूली बच्चों को कीचड़ और फिसलन भरी राह से पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ रहा है। वहीं, रात्रि के समय यदि किसी ग्रामीण की तबीयत खराब हो जाए, तो एंबुलेंस का इस मार्ग से गुजरना नामुमकिन है। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी स्थिति में मरीज का 'भगवान ही मालिक' है।

युवा ग्रामीण अल्केश बागड़े ने चर्चा के दौरान बताया कि कुछ दिन पूर्व जब आमला में महामहिम का दौरा प्रस्तावित था, तब आनन-फानन में काम को गति देने का दिखावा किया गया था। लेकिन जैसे ही दौरा संपन्न हुआ, निर्माण कार्य पुनः बंद कर दिया गया। यह प्रशासनिक संवेदनहीनता का जीता-जागता उदाहरण है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही स्वीकृत पुलिया और क्षतिग्रस्त अप्रोच मार्ग का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो वे संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ उग्र जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। 7 गाँवों के निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी समस्या को गंभीरता से लिया जाए ताकि भविष्य में किसी बड़ी अनहोनी को टाला जा सके।

वार्ड 9 एवं वार्ड 1 में निर्माण कार्य का भूमिपूजन

जुन्नारदेव : वार्ड क्रमांक 09 एवं वार्ड क्रमांक 1 में पेवर ब्लाक स्थापन वार्ड क्रमांक 1 के कर्मा चौक पर कार्य राम मंदिर के सामने किया जाएगा जिसका भूमि पूजन कार्यक्रम आज संपन्न हुआ। इस निर्माण कार्य की लगत 6.83 लाख रु में होना है साथ ही वार्ड क्रमांक एक की लागत 10 लाख 63 है है।जिसका भूमि-पूजन अध्यक्ष नगर पालिका रमेश सालोडे, अपील समिति सदस्य सभापति संजय जैन नीता शरद कुरोलिया (लोक निर्माण विभाग) अमित कुमार यादव सभापति वार्ड क्रमांक पार्षद वार्ड क्र. एक एक श्रीमती लता देवेंद्र टांडेकर 09 की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती नेहा धुर्वे , राजेश श्रीवास्तव, विशेष चरसिया,उपयंत्री ठेकेदार मेसर्स भूषण अरोरा समस्त वार्डवसी भाजपा कार्यकर्ता एवं पार्षद गण उपस्थित थे।

यूनिफॉर्म सिविल कोड विषय पर निबंध प्रतियोगिता संपन्न आज, भाषण प्रतियोगिता और पुरस्कार वितरण

जुन्नारदेव : यूनिफॉर्म सिविल कोड (**UCC**) एक महत्वपूर्ण एवं समसामयिक विषय के रूप में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता,तार्किक चिंतन तथा अभिव्यक्ति कौशल का विकास करने के उद्देश्य से पंडित रविशंकर शुक्ल स्कूल में यूनिफॉर्म सिविल कोड (**UCC**) विषय पर निबंध प्रतियोगिता गुरुवार को संपन्न हुई। आज शुक्रवार 2:00 बजे से भाषण प्रतियोगिता आयोजित होंगी। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र (प्रमाण-पत्र) प्रदान किए जाएंगे।कार्यक्रम के समापन अवसर पर विधि विशेषज्ञों, अधिवक्ताओं एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रेरक उद्बोधन होंगे ।

अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन निकासी अभ्यास संपन्न

परासिया :- संत चवारा नेशनल एकेडमी में आज आपातकालीन स्थितियों से निपटने और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक 'अग्नि सुरक्षा एवं निकासी अभ्यास' (फायर सेफ्टी और इवैक्यूएशन ड्रिल) का सफल आयोजन किया गया।इस विशेष मॉक ड्रिल का नेतृत्व श्री अंकित सोलंकी ने किया। उनके मार्गदर्शन में सभी शिक्षकों और छात्र कैबिनेट (**Student Cabinet**) के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए पूरी मुस्तैदी के साथ पूरे स्कूल परिसर को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से खाली कराया। इस दौरान विद्यार्थियों को आपातकालीन निकास मार्गों और संकट के समय शांत रहने के तरीकों की जानकारी दी गई।अभ्यास के

समापन पर विद्यालय के प्राचार्य फादर जैसन ने सभी छात्रों और स्टाफ के अनुशासन, सतर्कता और बेहतरीन तालमेल की सराहना की। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए अंकित सोलंकी , शिक्षक वर्ग और छात्र नेताओं को बधाई देते हुए कहा कि सुरक्षित माहौल के लिए ऐसे अभ्यास बेहद जरूरी हैं ।

सभाकक्ष का विधायक वाल्मीक ने किया लोकार्पण, जीरामजी की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

जनपद परासिया में आज दिनांक 09 जुलाई 2026 को एक और नए सभाकक्ष का लोकार्पण विधायक सोहन लाल वाल्मीकि द्वारा किया गया । वहीं जी राम जी (मनरेगा) की जानकारी दी गई ।गुरुवार को जनपद परासिया में विधायक सोहन वाल्मीकि की उपस्थिति में दो कार्यक्रम संपन्न हुए ।

विधायक ने एक ओर जहां लगभग 200 लोगों के बैठने की क्षमता वाले सभाकक्ष का लोकार्पण किया गया , वहीं केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना का नाम बदल कर विकसित भारत जी राम जी करने के बाद इस पुनः चालू किया गया । जिस पर एक संवाद कार्यक्रम भी हुआ । जिसमें योजना अधिकारी सरिता शेंडे के द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई । वहीं संवाद के दौरान मौजूद जनपद सदस्यों , सरपंचो ने सवाल भी पूछे , जिसका जवाब बड़ी सहजता के साथ अधिकारी ने दिया ।

अधिकारी श्रीमती शेंडे ने बताया , कि इस योजना में हितग्राहियों को साल में 125 दिन का ग्राम में ही रोजगार दिया जाएगा । काम करने के इक्छुक व्यक्ति को लिखित या मौखिक आवेदन करना होगा । Job कार्ड होना अनिवार्य है । जिनके पास जॉब कार्ड हैं , उन्हें ई के वाय सी कराना अनिवार्य है । नए जॉब कार्ड पंचायत से बनाए जाएंगे । सी ई ओ वर्षा झारिया ने बताया , कि शिपी एप्प के माध्यम से ग्रामीणों को मिल सकेगी । विधायक सोहन वाल्मीकि ने पूछा , कि जिन्हें कार्य नहीं मिलेगा क्या उन्हें बेरोजगारी भत्ता देने का कोई प्रावधान हैं ? जिस पर बताया गया की कार्य नहीं मिलने की स्तिथि में कार्ड धारक को आवेदन के बाद 16 वें दिन से निर्धारित दैनिक वेतन 300/- रूपये पर 0.05 की दर से भत्ता देने का प्रावधान हैं ।

मूंग की शत-प्रतिशत खरीदी की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

मूंग की सरकारी खरीदी में आ रही दिक्कतों और सरकार द्वारा तय किए गए कठिन मापदंडों के विरोध में आज भारतीय किसान संघ सौसर ने मोर्चा खोल दिया। जबलपुर प्रांत के आह्वान पर प्रदेश भर की तहसील कार्यालयों में हुए प्रदर्शन के क्रम में, आज सौसर में भी भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों और सैकड़ों किसानों ने एकजुट होकर अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान किसानों ने प्रदेश सरकार की नीति पर तीखे सवाल उठाए। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि सरकार द्वारा मूंग खरीदी के लिए निर्धारित किए गए मापदंड पूरी तरह से किसान विरोधी हैं। इन जटिल नियमों के चलते बड़ी संख्या में किसान अपना पंजीयन कराने में असमर्थ हैं, जिससे उनकी उपज को सरकारी दर पर बेचना मुश्किल हो गया है। संघ की प्रमुख मांग है कि इन मापदंडों को तत्काल सरल किया जाए और राज्य सरकार सभी पंजीकृत किसानों से उनकी शत-प्रतिशत उपज की खरीदी सुनिश्चित करे। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो वे अपने आंदोलन को और अधिक तीव्र करेंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान भारतीय किसान संघ के तहसील अध्यक्ष आशीष पराड़कर, तहसील मंत्री पवन हिगवे, जिला उपाध्यक्ष रविशंकर धुर्वे, एडवोकेट प्रदीप पराड़कर, ज्ञानेश्वर पराड़कर, कमलेश पगारे, भागचंद कामठे, अनिल गोरे, नानु रबडे और गणपति किनकर सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

विधायक और तहसीलदार से की शिकायत : किसानों का आरोप अवैध तरीके से काटा निस्तारी रास्ता

हरिभूमि न्यूज़ कटंगी।

कटंगी से पाथरवाड़ा मुख्य सड़क मार्ग पर अर्जुननाला और पाथरवाड़ा गांव की सीमा पर निस्तारी रास्ता काटे जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। स्थानीय किसानों ने आरोप लगाया है कि प्लाटिंग करने के उद्देश्य से मनोज गुप्ता नामक व्यक्ति ने जेसीबी मशीन से दशकों पुराने रास्ते को काट दिया है। इससे किसानों के लिए अपने खेतों तक जाना मुश्किल हो गया है। गत दिवस किसानों ने 29 जून को ही तहसीलदार और क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी से लिखित शिकायत की थी, लेकिन 10 दिन बीत जाने के बाद भी जांच नहीं हुई है। किसानों के अनुसार अर्जुननाला और पाथरवाड़ा गांव की सीमा पर पिछले कई दशकों से 12 फीट चौड़ी निस्तारी सड़क थी। इसी रास्ते से दर्जनों किसान अपने खेतों तक आते-जाते थे। किसानों का आरोप है कि 28 जून की रात को मनोज गुप्ता ने प्लाटिंग करने के लिए जेसीबी मशीन की मदद से इस रास्ते को काट दिया। सुबह जब किसान खेतों पर पहुंचे तो रास्ता बंद मिला। गुरुवार को किसानों ने मौके पर इकट्ठा होकर अपनी परेशानी साझा की। रास्ता कटने के अगले दिन 29 जून को प्रभावित किसानों ने कटंगी तहसीलदार और क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी।

किसानों का कहना है कि तहसीलदार ने शिकायत मिलने पर राजस्व निरीक्षक को जांच के आदेश दिए थे, लेकिन 09 जुलाई तक कोई भी अधिकारी मौके पर जांच के लिए नहीं पहुंचा। इससे किसानों में नाराजगी है। इस मामले में हल्का पटवारी ओम प्रकाश राहंगडाले ने बताया कि पाथरवाड़ा और अर्जुननाला दोनों गांव के पटवारी ने संयुक्त रूप से भूमि का सीमांकन किया था। सीमांकन के दौरान देव बोपचे और मनोज गुप्ता दोनों को उनकी जमीन की सीमा बताई गई थी।

पटवारी के अनुसार देव बोपचे ने अपनी निर्धारित भूमि से कुछ अधिक हिस्से में निर्माण कर लिया है। वहीं मनोज गुप्ता को भी मेढ़ नहीं काटने की सलाह दी गई थी। बावजूद इसके रास्ता काट दिया गया। किसानों ने कहा कि यह निस्तारी रास्ता है और इसे काटना अवैध है। मानसून का समय है और खेतों में काम शुरू हो गया है। रास्ता बंद होने से बीज, खाद और दवाई खेतों तक नहीं पहुंच पा रही है। फिलहाल यह मामला अब विवादों में उलझ गया है। किसानों को उम्मीद है कि विधायक और प्रशासन के हस्तक्षेप से जल्द उन्हें राहत मिलेगी।

पशु चिकित्सकों की कमी से बढ़ी किसानों की चिंता, मोहझरी अस्पताल में तत्काल स्टाफ तैनाती की मांग

जनपद सदस्य एवं कृषि समिति सभापति ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन, वर्षा ऋतु में पशुओं के उपचार को लेकर जताई चिंता

हरिभूमि न्यूज लाँजी ।

लांजी जनपद पंचायत क्षेत्र के मोहझरी पशु चिकित्सालय में चिकित्सकीय स्टाफ की कमी को लेकर किसानों और पशुपालकों की चिंता अब प्रशासन तक पहुंच गई है। जनपद पंचायत सदस्य एवं कृषि समिति के सभापति इंजी. टुमनलाल घोरमारे ने कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी को ज्ञापन सौंपकर मोहझरी पशु चिकित्सालय और नेवरवाही पशु औषधालय में पर्याप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शीघ्र पदस्थापना की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते व्यवस्था नहीं की गई तो हजारों पशुपालकों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

ज्ञापन में बताया गया है कि लांजी क्षेत्र आदिवासी एवं कृषि प्रधान है, जहां अधिकांश परिवार कृषि और पशुपालन पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर हैं। मोहझरी पशु चिकित्सालय लगभग 25 से 30 गांवों के हजारों किसानों और पशुपालकों को पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराता है। लेकिन हाल ही में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्थानांतरण के बाद यहां स्टाफ की कमी की स्थिति बन गई है। वहीं नेवरवाही पशु औषधालय में भी पर्याप्त कर्मचारियों का अभाव बना हुआ है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं का समय पर उपचार प्रभावित हो रहा है।

इंजी. टुमनलाल घोरमारे ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि वर्षा ऋतु के दौरान पशुओं में संक्रामक रोग फैलने की आशंका सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रहती है। यदि चिकित्सकीय सेवाएं प्रभावित होती हैं तो पशुधन को व्यापक क्षति पहुंच सकती है, जिसका सीधा आर्थिक नुकसान किसानों को उठाना पड़ेगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि स्थानांतरित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्थान पर तत्काल वैकल्पिक पदस्थापना की जाए, ताकि पशु चिकित्सालय की सेवाएं निर्बाध रूप से संचालित हो सकें। साथ ही नेवरवाही पशु औषधालय में भी आवश्यक स्टाफ की शीघ्र तैनाती सुनिश्चित की जाए। जनपद सदस्य ने कहा कि पशुधन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसानों की आय का महत्वपूर्ण आधार भी। ऐसे में जनहित एवं कृषक हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन को इस मामले में तत्काल निर्णय लेना चाहिए, जिससे क्षेत्र के हजारों पशुपालकों को समय पर उपचार सुविधा मिल सके और वर्षा ऋतु में संभावित संकट से पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

भालू की हत्या कर शव के टुकड़े कुएं में फेंकने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। खैरलांजी वन परिक्षेत्र अंतर्गत भालू की निर्मम हत्या कर उसके शव के टुकड़े कर कुएं में फेंकने के मामले में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। विभाग ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय से रिमांड प्राप्त की है, जबकि दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं जिनकी तलाश जारी है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने जंगली सुअर के शिकार के लिए खेत में अवैध रूप से करंट बिछाया

था, जिसकी चपेट में एक नर भालू आ गया और उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपियों ने साक्ष्य छिपाने और कथित तांत्रिक क्रियाओं में उपयोग के उद्देश्य से भालू का कलेजा और नाखून निकालने का प्रयास किया तथा शव के कई टुकड़े कर उन्हें कुएं में फेंक दिया।उल्लेखनीय है कि तीन दिन पूर्व भंडारबोड़ी और पीपरटोला की सीमा स्थित एक खेत के कुएं से भालू के शव के कई टुकड़े बरामद हुए थे। प्रारंभिक जांच में वन विभाग ने इसे निर्मम हत्या का मामला मानते हुए जांच शुरू की थी। विवेचना के आधार पर वन विभाग ने क्षेत्र के निवासी सुरेंद्र पिता हरिराम गोंड उम्र 40 वर्ष निवासी पिपरटोला भंडारबोड़ी और छबिलाल पिता टीकाराम उईके उम्र 38 वर्ष निवासी पिपरटोला भंडारबोड़ी को गिरफ्तार किया है। दोनों के विरुद्ध वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 2, 9, 39, 48, 49, 50, 51, 52 एवं संशोधन अधिनियम 2022 के तहत शेड्यूल 1 की सूची क्रमांक 18 स्लॉथ बियर भालू के तहत मामला दर्ज किया गया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है तथा वन विभाग पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कर रहा है।

बच्चों को दिया अनुशासन और सुनागरिकता का संदेश

जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन का स्काउट गाइड कैंप में आकस्मिक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार जिला प्रशिक्षण केंद्र वारासिवनी में पांच दिवसीय 'राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड जांच शिविर' का गरिमापूर्ण आयोजन किया जा रहा है। 6 जुलाई से शुरू हुए इस शिविर के तीसरे दिन जिले की नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) श्रीमती धनश्री जैन ने आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशिक्षण केंद्र प्रांगण में प्रथम आगमन पर स्काउट गाइड के सदस्यों द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती जैन को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। इसके पश्चात स्कार्फ पहनाकर एवं 'जनरल सैल्यूट' के साथ उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रीमती जैन द्वारा परिसर में वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के सौंदर्यीकरण का संदेश दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र के सभी कक्षों का बारीकी से अवलोकन किया और प्रशिक्षण ले रहे बच्चों से सीधे बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर जिला

परियोजना समन्वयक मोहित डहरिया द्वारा भी स्काउट गाइड को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। 10 जुलाई तक चलने वाले इस राज्य स्तरीय जांच शिविर में विभिन्न जिलों से कुल 80 स्काउट गाइड हिस्सा ले रहे हैं। इसमें मेजबान बालाघाट जिले की भागीदारी सर्वाधिक रही। आंकड़ों के अनुसार शिविर में बालाघाट से 41, भोपाल से 16, जबलपुर से 14 और विदिशा से 06 स्काउट गाइड सम्मिलित हुए हैं।

शिविर के दौरान जिला संघ बालाघाट के कोषाध्यक्ष भेजेंद्र चौधरी ने जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती जैन का हृदय की अनंत गहराइयों से स्वागत किया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में केंद्र के पुनर्जीवित होने की संघर्ष गाथा को साझा करते हुए कहा कि आप नई ऊर्जा और उत्साह के साथ पीएससी उत्तीर्ण कर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएँ दे रही हैं, जो हमारी बालिकाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है।

श्री चौधरी ने कहा कि हमारा यह विद्यालय परिसर पूर्व में सांदीपनी में स्थानांतरित हो जाने के कारण पूरी तरह जर्जर और जीर्ण-शीर्ण हो चुका था। लेकिन विगत तीन वर्षों के भीतर वारासिवनी नगर की स्थानीय जनता, शिक्षकों, बालाघाट जिले के नागरिकों और शिक्षा विभाग के सामूहिक जनसहयोग व व्यक्तिगत प्रयासों से इस भवन को दोबारा सुधारा गया है, जो अब स्काउट-गाइड और योग के लिए समर्पित है। यह इस केंद्र की बहुत बड़ी उपलब्धि है कि पहली बार भोपाल से भी बच्चे यहाँ प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आए हुए हैं। आपके कुशल नेतृत्व में हमारी यही आकांक्षा है कि यह केंद्र सिर्फ प्रदेश का ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर का सबसे बेहतरीन प्रशिक्षण केंद्र बनकर उभरे।

संबल योजना बनी सहारा: मृतक श्रमिक के परिवार को मिली दो लाख रुपये की सहायता राशि

हरिभूमि न्यूज लाँजी । मध्यप्रदेश शासन की जनकल्याणकारी मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के तहत लांजी के वार्ड क्रमांक 9 निवासी स्वर्गीय देवेश तिड़के के निधन के बाद उनके परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया गया। योजना के अंतर्गत स्वीकृत दो लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि मृतक की पत्नी श्रीमती गीता तिड़के को एक कार्यक्रम के दौरान प्रदान की गई। सहायता राशि का वितरण लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे की उपस्थिति में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेककर तथा वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद एवं सभापति के हाथों किया गया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि संबल योजना असंगठित श्रमिक परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच है। परिवार के मुखिया की असामयिक मृत्यु के बाद मिलने वाली आर्थिक सहायता कठिन परिस्थितियों में परिवार को राहत देने का कार्य करती है।

कार्यक्रम के दौरान वार्डवासियों ने विधायक के समक्ष क्षेत्र की विभिन्न मूलभूत समस्याएं भी रखीं। विधायक श्री कर्राहे ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि जनहित से जुड़े सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया जाएगा तथा संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, गौरव बैस, नवीन रामटेककर, महिला मोर्चा की प्रेमा सिसोदिया, श्रीमती श्यामा मुरकुटे सहित वार्ड के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों की एक अनौपचारिक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों और पार्टी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल सर्टिफिकेट अभियान सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना और नागरिकों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना रहा।

खबर संक्षेप

ग्रामीण युवाओं के लिए सुरक्षा प्रशिक्षण एवं रोजगार पंजीयन शिविर आज से

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिला परियोजना प्रबंधक मप्र डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन सिवनी ने जानकारी देकर बताया कि बेरोजगार युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के सभी विकासखंडों में सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट के लिए पंजीयन शिविर का आयोजन किया जाना है। उन्होंने बताया कि यह सभी शिविर संबंधित विकासखंड के आजीविका मिशन कार्यालय में आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि यह शिविर विकासखंडवार 10 जुलाई को लखनादौन,13 जुलाई को छपारा,14 जुलाई को बरघाट,15 जुलाई को केवलारी,17 जुलाई को घंसौर,20 जुलाई को धनौरा,21 जुलाई को कुरई,22 जुलाई को सिवनी में जीडीएक्स सिक्योरिटी सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित होंगे। जिनमें चयनित अभ्यर्थियों को सुरक्षा गार्ड एवं सुरक्षा सुपरवाइजर सहित विभिन्न पदों के लिए प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

11 जुलाई को सिवनी जनपद पंचायत में होगा कुर्किंग कंपटीशन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय कुर्किंग कंपटीशन 11 जुलाई को जनपद पंचायत सिवनी के सभा कक्ष में दोपहर 1:00 बजे से आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में शासकीय शालाओं में भोजन बनाने वाले रसोइयों एवं शाला में अध्यनरत छात्र-छात्राओं की माताएं भाग ले सकेंगी । कार्यक्रम का उद्देश्य मध्यान भोजन योजना में गुणवत्ता सुधार करना,पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन तैयार करने की जानकारी देना एवं रसोइयों के कौशल का विकास करना है।

प्रहलाद बघेल बने पालक शिक्षक संघ अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रहलाद बघेल को नेताजी सुभाष चंद्र बोस हायर सेकेंडरी स्कूल का कक्षा 1 से लेकर 12 तक का पालक शिक्षक अध्यक्ष मनोनीत किया गया है इस अवसर पर आज दिनांक 8 जुलाई को एस.एम.सी. पालक शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें समस्त बालक पालक और शाला का स्टाफ उपस्थित रहा सभी की सहमति से प्रहलाद बघेल को पालक शिक्षक संघ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया इस अवसर पर संस्था की प्राचार्य की श्रीमती राजेश्वरी धुर्वे वरिष्ठ शिक्षक मोहम्मद साबिर खान, श्रीमती सुनीता डेहरिया डी .पी.शिवेदी, राजकिशोर दुबे ,श्रीमतीपूजा पांडे मनोज नाग ,अभिलाष मिश्रा, श्रीमती अकीला खान एवं संस्था का स्टाफ उपस्थित रहा। इस अवसर पर पहलाद बघेल का शाला परिवार की ओर से सम्मान किया गया अपने वक्तव्य में प्रहलाद बघेल ने कहा कि हमेशा इस संस्था की सेवा करता रहूंगा संस्था में जिस प्रकार से भी मेरी आवश्यकता होगी मैं अपना भरपूर प्रयास देने के साथ संस्था के सुचारू संचालन में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता रहूंगा अंत में आभार प्रदर्शन मोहम्मद साबिर खान ने और मंच संचालन श्रीमती पूजा पांडे द्वारा किया गया।

खुले आसमान तले अंतिम विदाई: विकास के दावों के बीच अधूरा श्मशानघाट

जनपद पंचायत सिवनी की ग्राम पंचायत घोटी में ग्रामीण आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकारी रिकॉर्ड में विकास के अनेक दावे किए जाते हैं, लेकिन गांव में आज तक श्मशान घाट का निर्माण नहीं हो सका है।

परिणामस्वरूप ग्रामीणों को अपने परिजनों का अंतिम संस्कार खुले आसमान के नीचे करना पड़ रहा है।
बारिश हो या तेज धूप, अंतिम संस्कार के दौरान न तो बैठने की व्यवस्था है और न ही पेयजल व अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से श्मशान घाट निर्माण की मांग की गई, लेकिन

अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच का कार्यकाल समाप्त होने को है, फिर भी श्मशान घाट निर्माण का सपना अधूरा बना हुआ है। यह स्थिति सरकारी योजनाओं और विकास के दावों पर सवाल खड़े करती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि श्मशान घाट का शीघ्र निर्माण कर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि लोगों को अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील समय में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

हत्या के सनसनीखेज प्रकरण का फरार चौथा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज सिवनी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के अपराधों की रोकथाम हेतु दिए गए सख्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शदीपक मिश्रा एवं **SDOP** सिवनी चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रकरण में फरार चल रहे चौथे एवं अंतिम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।
दिनांक 13/05/2026 की रात्रि करीब 10:30 बजे प्रार्थी कान्हा उर्फ बिट्टू बैरागी, निवासी पॉलिटेक्निक कॉलेज के पीछे, अकबर वार्ड सिवनी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि पुरानी रंजिश के चलते निखिल कुशवाहा, आर्यन धुर्वे, ऋषि रावत एवं अन्य द्वारा एक राय होकर अनुराग डहेरिया के साथ बेसबॉल के डंडे, धारदार चाकू एवं हाथ-मुक्कों से मारपीट की गई। इस हमले में अनुराग डहेरिया को सिर, गर्दन एवं पेट में घातक चोटें आईं, जिससे उसकी मृत्यु हो गई थी।
रिपोर्ट पर थाना कोतवाली सिवनी में अपराध क्रमांक 367/2026 धारा 103(1), 351(2), 3(5) बीएनएस, 3(1)(द), 3(1)(घ), 3(2)(v) एससी/एसटी एक्ट पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना के दौरान आरोपी निखिल कुशवाहा, आर्यन धुर्वे एवं शाहरुख खान को पूर्व में ही गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जा चुका है। प्रकरण में फरार चल रहे अंतिम आरोपी ऋषि रावत की लगातार पतासाजी की जा रही थी। पुलिस टीम द्वारा दिनांक 05/07/2026 को आरोपी ऋषि रावत पिता हरिप्रसाद रावत, उम्र 21 वर्ष, निवासी न्यू लाइफ हॉस्पिटल के पीछे, मिलन कॉलोनी सिवनी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ पर आरोपी ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। आरोपी से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं मोबाइल विधिवत जप्त किए गए। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल सिवनी भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी ऋषि रावत के विरुद्ध थाना कोतवाली में पूर्व से ही चोरी एवं मारपीट के 04 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं।

सराहनीय भूमिका

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक सतीश तिवारी, प्र.आर. मुकेश गोडाने, आर. लक्ष्मी चंद्रवंशी एवं आर. प्रतीक बघेल की विशेष भूमिका रही।

कुत्तों का आतंकः 5 बकरी और 1 बकरे का हुआ नुकसान, पीड़ितों को नहीं मिली मदद

बरघाट जिला सिवनी की तहसील बरघाट अंतर्गत ग्राम बोरी कला में आवारा कुत्तों के आतंक से ग्रामीणों में दहशत है। दिन में करीबन तीन से चार बजे के बीच में कुत्तों के झुंड ने हमला कर 5 बकरियों और 1 बकरे को मार डाला।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

इस घटना में प्रभु दयाल राने का 1 बकरा और 5 बकरियां तथा दुर्गा भलावी की मारी गईं। कई अन्य मवेशी भी घायल हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पिछले कई दिनों से आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। रात होते ही कुत्तों के झुंड घरों में घुसकर मवेशियों पर हमला कर रहे हैं। घटना की सूचना पंचायत और संबंधित विभाग को दी गई, लेकिन अब तक मौके पर कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। पीड़ित प्रभु दयाल और दुर्गा भलावी ने बताया कि एक बकरी की कीमत 20-25 हजार रुपये होती है। एक साथ इतना बड़ा नुकसान होने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।
घर का खर्च और बच्चों की पढ़ाई इसी से चलती थी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए तुरंत अभियान चलाया जाए और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए। फिलहाल बोरी कला में दहशत का माहौल है। लोग रात में घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं।

ग्राम बोरी कला पिछले 1 साल से बिजली कटौती की समस्या से जूझ रहा

बरघाट। जिला सिवनी की तहसील बरघाट अंतर्गत ग्राम बोरी कला पिछले 1 साल से बिजली कटौती की समस्या से जूझ रहा है। विद्युत मंडल के अधिकारियों की अनदेखी के कारण 10.000 से ज्यादा ग्रामीणों का जीवन नरक बन गया है। 24 घंटे में सिर्फ मुश्किल से दिन में 5 घंटे और रात में 5 घंटे बिजली मिलती है, वो भी दिन भर में करीब 50 बार कट जाती है।

आधे से ज्यादा खंभे डैमेज, लोकल डोरी तारों से हो रहा है खिलवाड़

गांव में लगे आधे से ज्यादा बिजली के खंभे टूट-फूट कर गिरने की हालत में हैं। कई जगह खंभे ही नहीं हैं, तारों को पेड़ों और घरों के सहारे लटकाकर करंट दिया जा रहा है। ऊपर से लोकल तार की डोरी जोड़कर अस्थायी कनेक्शन किए गए हैं। ग्रामीणों को हर समय करंट और शॉर्ट सर्किट का डर लगा रहता है। और तत्कालकी जानकारी के लिए कर्मचारी भी मौजूद नहीं है
यहां पर जो कर्मचारी है वह भी परेशान हो जाता है कभी कहीं से टूटना कभी कहीं से टूटना इस कारण और 145 ट्रांसफॉर्मर, लेकिन सब नाकारा।
गांव में करीब 145 ट्रांसफॉर्मर लगे हैं, लेकिन ज्यादातर और कुछ बड़े हैं और कुछ छोटे है लेकिन पुराने हैं। कम क्षमता के कारण हर 10-15 मिनट में ट्रिपिंग, फ्यूज उड़ना और लो वोल्टेज की समस्या आम है।

जिला कलेक्टर से मांग की है कि जनता ऐसा ही अंधेरे में पड़े क्या

किसानों की सिंचाई रुक गई, बच्चों की पढ़ाई चौपट और रात में अंधेरे में घर वाले बैठने को मजबूर हैं। ग्रामीण पिछले 1 साल से लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन विद्युत मंडल के अधिकारी सिर्फ आश्वासन देकर मामले को टाल रहे हैं।

अब आर-पार की लड़ाई

जनता ने कलेक्टर मैडम से निवेदन किए हैं कि अगर 15 दिन में सही नहीं होता तो आक्रोशित ग्रामीणों ने कहा है कि अगर 15 दिन के अंदर नए उच्च क्षमता वाले ट्रांसफॉर्मर नहीं लगे, डैमेज खंभे और जर्जर तार नहीं बदले गए तो वे बरघाट विद्युत मंडल कार्यालय का घेराव करेंगे। और इसके जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी की होगी। विद्युत मंडल की लापरवाही के कारण 1 साल से बोरी कला अंधेरे में डूबा हुआ है। अब ग्रामीण आर-पार के मूड में हैं।

जिला सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक में सडक़ सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा

निर्माणाधीन स्थलों पर सुरक्षा, ब्लैक स्पॉट सुधार, यातायात प्रबंधन एवं चरणबद्ध अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में सडक़ सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, निर्माणाधीन सडक़ों एवं पुल-पुलियों पर सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा दुर्घटना नियंत्रण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण लालचंदानी, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडायत, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), एमपीआरडीसी, लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।
बैठक में कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने नगर के प्रमुख मार्गों एवं जिले के राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर संचालित पुल निर्माण तथा सडक़ मरम्मत कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों के दौरान आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।
कलेक्टर ने निर्माणाधीन पुल एवं पुलिया स्थलों पर मजबूत

बैरिकेडिंग करने, रात्रिकालीन आवागमन के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने, सूचना पटल एवं रिफ्लेक्टर लगाने तथा यातायात के सुचारू संचालन के लिए वैकल्पिक मार्गों की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेलवे क्रॉसिंग से जुड़ी क्षतिग्रस्त सडक़ों का प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य कर शीघ्र सुधार सुनिश्चित करने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने मुख्य मार्गों पर सडक़ सुरक्षा नियमों के पालन के संबंध में सतत जनजागरूकता अभियान संचालित करने, दुर्घटना संभावित (ब्लैक स्पॉट) स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य करने तथा दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय क्षेत्र की सडक़ों पर अवैध अतिक्रमण का चिन्हांकन कर चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई करने तथा आवश्यकतानुसार चालानी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शहर में कई ऐसे मार्ग हैं, जहां अतिक्रमण के कारण एम्बुलेंस सहित अन्य आपातकालीन वाहनों के आवागमन में भी कठिनाई होती है। ऐसे मार्गों से प्राथमिकता के आधार पर अतिक्रमण हटाया जाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को सुगम एवं सुचारू यातायात व्यवस्था के लिए शहर के प्रमुख मार्गों का विस्तृत मानचित्र तैयार करने तथा उसके आधार पर चरणबद्ध अतिक्रमण हटाने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती मीना ने नगर पालिका अधिकारी को नगर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए समग्र मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सिवनी नगर स्थित सडक़ किनारे संचालित सांची पार्लरों को प्रदाय निर्धारित स्थलों पर संचालित कराने, ठेला एवं गुमटी दुकानदारों के लिए उपयुक्त वैकल्पिक स्थान चिन्हित कर उन्हें व्यवस्थित रूप से स्थानांतरित करने, भीड़ भाड़ वाले स्थलों एवं बाजारों में वाहन पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित कर सुदृढ़ करने तथा यातायात के सुचारू संचालन के लिए दीर्घकालीन कार्ययोजना तैयार कर चरणबद्ध रूप से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

31 जुलाई तक कराएं फसल बीमा, प्राकृतिक आपदाओं से फसल सुरक्षा का मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ मौसम 2026 के लिए अधिसूचित फसलों का बीमा 1 जुलाई से प्रारंभ हो चुका है। किसानों के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। कृषि विभाग ने जिले के सभी ऋणी एवं गैर-ऋणी किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा अवश्य कराएं, ताकि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली फसल क्षति की स्थिति में योजना का लाभ प्राप्त किया जा सके। योजना के अंतर्गत प्राकृतिक आपदाओं जैसे अतिवृष्टि, अल्पवृष्टि, ओलावृष्टि, कीट एवं रोगों के कारण फसल को होने वाले नुकसान पर किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। कृषि विभाग ने किसानों से समय रहते आवेदन करने की अपील करते हुए कहा है कि अंतिम तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। खरीफ 2026 के लिए अधिसूचित फसलों पर किसान अंश प्रीमियम दर प्रति हेक्टेयर के अनुसार धान (सिंचित) 1004 रूपये , धान (असिंचित) 680 रूपये , मक्का 740 रूपये, उड़द 564 रूपये तथा सोयाबीन 758 रूपये निर्धारित की गई है। किसान अपने निकटतम बैंक, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) अथवा अधिकृत बीमा कंपनी के माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकते हैं। कृषि विभाग ने किसानों से आग्रह किया है कि अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय रहते फसल बीमा कराकर योजना का लाभ सुनिश्चित करें।

नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए प्रशासन सख्त

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले में नशीले पदार्थों की रोकथाम, तंबाकू नियंत्रण तथा प्रतिबंधित दवाइयों के अवैध विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनकार्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक में नशे के विरुद्ध संचालित गतिविधियों, विभागीय समन्वय तथा प्रवर्तन कार्यवाहियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती मीना ने कहा कि नशीले पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ जनजागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों को नशे की लत से बचाने के लिए सभी विभागों को समन्वित प्रयास करने होंगे तथा शासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना होगा। कलेक्टर श्रीमती मीना ने सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (एट्हअक्ट्र) के प्रावधानों का जिलेभर में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, तंबाकू उत्पादों के अवैध विक्रय तथा अधिनियम के अन्य उल्लंघनों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। संबंधित विभाग संयुक्त रूप से निरीक्षण करें तथा कार्रवाई की प्रगति की नियमित समीक्षा भी करें। कलेक्टर श्रीमती मीना ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि जिले के सभी विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू एवं धूम्रपान संबंधी उत्पादों की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहे। इस संबंध में विद्यालयों के आसपास नियमित निरीक्षण अभियान चलाए जाएं तथा उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाए।

11 सूत्रीय मांगों के निराकरण की मांग

एएनएम एसोसिएशन ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

संयुक्त ए.एन.एम. एसोसिएशन (संविदा-नियतिवेतन कर्मचारी) जिला सिवनी ने गुरुवार को जिला कलेक्टर मुख्यमंत्री के नाम 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपकर शीघ्र निराकरण की मांग की।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

एसोसिएशन का कहना है कि प्रदेशभर में एएनएम स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं और गर्भवती महिलाओं की देखभाल, सुरक्षित प्रसव, नवजात शिशुओं की सेवाएं, टीकाकरण सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का सफल संचालन वर्षों से कर रही हैं, बावजूद इसके उनकी विभिन्न मांगें लंबे समय से लंबित हैं। ज्ञापन में वर्ष 2016 में नर्सिंग संवर्ग से अलग किए गए एएनएम संवर्ग को पुनः नर्सिंग संवर्ग में शामिल करने, वेतन विसंगति दूर कर ग्रेड पे 3200/- करने, वर्षों से कार्यरत संविदा एएनएम का नियमितीकरण, पदोन्नति के अवसर प्रदान करने, शिक्षा के आधार पर विभागीय पदों पर पदोन्नति, अनमोल पोर्टल से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं का समाधान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में एएनएम संवर्ग को प्राथमिकता देने तथा पीबीआई सहित अन्य प्रोत्साहन राशि का लाभ देने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई है।
इसके अलावा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मिलने वाली राशि का भुगतान, दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत एएनएम को जोखिम भत्ता, वाहन सुविधा तथा हार्ड एरिया में कार्य करने पर मानदेय दिए जाने की भी मांग की गई है।
एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो प्रदेशभर की एएनएम आगामी समय में आंदोलन के लिए बाध्य होंगी। ज्ञापन के माध्यम से शासन से एएनएम संवर्ग की वर्षों पुरानी समस्याओं का जल्द निराकरण कर स्वास्थ्य कर्मियों को न्याय दिलाने की अपील की गई है।

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना पर लापरवाही पर 102 अधिकारियों-कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता के लंबित प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना द्वारा समय-सीमा की बैठक में योजना की समीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में प्रकरण लंबित पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। समीक्षा के दौरान 100 दिवस से अधिक अवधि के 136 प्रकरण, 300 दिवस से अधिक अवधि के 19 प्रकरण तथा 500 दिवस से अधिक अवधि के 4 प्रकरण लंबित पाए गए। कलेक्टर श्रीमती मीना ने इसे अत्यंत गंभीर मानते हुए गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी हितग्राहीमूलक योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समय पर अनुग्रह सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। अनावश्यक विलंब न केवल शासन के निर्देशों की अवहेलना है, बल्कि जरूरतमंद हितग्राहियों के प्रति असंवेदनशीलता को भी दर्शाता है।
कलेक्टर श्रीमती मीना के निर्देशों के अनुपालन में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सिवनी द्वारा 89 ग्राम पंचायत सचिवों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं। इनमें जनपद पंचायत लखनादौन के 30, सिवनी के 29, केवलारी के 10, धनोरा के 6, छपारा के 5, बरघाट के 5 तथा कुरई के 4 सचिव शामिल हैं।
इसी प्रकार शहरी क्षेत्रों में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद सिवनी द्वारा 12 वार्ड प्रभारियों तथा नगर परिषद केवलारी के 1 वार्ड प्रभारी को भी कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया जाता है अथवा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित नहीं किया जाता है, तो उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मामला कटंगी क्षेत्र का : उपसंचालक बोले हमसे तो कहा, कलेक्टर से मत कहना!

किसानों को बीज वितरण में भारी लापरवाही

उपसंचालक कर रहे हैं वरिष्ठ कृषि अधिकारी का रक्षण

उपसंचालक अपने ही विभाग की कार्यप्रणाली से बेखबर या कर रहे किसानों के बीज का बंदरबाट!

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

किसानों की उम्मीद कहे जाने वाला कृषि विभाग इन दिनों अपनी कार्यप्रणाली को लेकर खूब चर्चाओं में है। दिया तले अंधेरा... की कहावत कृषि विभाग के उपसंचालक फूलसिंह मालवीय पर सटीक नजर आ रही है, उनके ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी ने सरकार से किसानों को आया हुआ बीज वितरण के बजाय अपने ही कमरे में रख दिया है, बीज को एक व्यापारी को बेचकर पैसा कमा सके। वहीं कृषि उपसंचालक फूलसिंह मालवीय के द्वारा कृषि धान, बीज और कीटनाशक दवाइयां की दुकानों का औचित निरीक्षण कर अखबारों में वाह-वाही लूटी जा रही है। यह कहे कि ग्रामीण विस्तर अधिकारी के साथ सरकारी धन की अफरातफरी कर माल कमा रहे हैं।

जानकारी अनुसार वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी कटंगी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सलिल दीक्षित के क्षेत्र देवरी, बासी, नंदौरा ग्रामों का नेतृत्व कर रहे हैं। वह पूर्व में वार्ड नं 2 दुर्गा मंदिर के पीछे कटंगी भरतलाल रहांगडाले के मकान में किराए के मकान में रहता था, ख़रीफ वित्तीय वर्ष 2026 में जनवरी-फरवरी किसानों को राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड द्वारा फसल तिल, उड़द और मूंग का बीज वितरण के लिए आया हुआ था। आरोप है कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सलिल दीक्षित के द्वारा किसानों को बीज का वितरण ना करते हुए उन बीजों को व्यापारी को बेचने के लिए तिल, उड़द और मूंग की तीन बोरी बीज याने प्रति बोरी 60-60-60 किलोग्राम बीज को अपने किराए के कमरे में रखवा दिया गया। जिसकी शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत विभागीय स्तर पर भी की गई है लेकिन अब तक कोई भी कार्यवाही नहीं होना बताया जा रहा है।

किसानों को मिला भी या दस्तावेज में दर्ज हो गया बीज...

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सलिल दीक्षित के द्वारा कथित रूप से किराए के मकान में रखा गया बीच का डम्प यह साबित करता है कि किसानों तक सरकार के द्वारा वितरण गुणवत्ता पूर्वक बीज का वितरण किया ही नहीं गया है, जिससे लगता है कि विभाग ने दस्तावेज में वितरण करना दर्शा दिया गया हो... तभी तो बीज अधिकारी ने बिचौलियों को बेचने के लिए घर पर डंप कर लिया वो। यह तो जांच का विषय है की जांच में क्या सत्यता सामने आती है।

उपसंचालक बोले हमसे तो कहा, कलेक्टर से मत कहना- शिकायतकर्ता

शिकायतकर्ता ने नाम न लिखने की शर्त पर कहा कि मेरे द्वारा बालाघाट जिले के कृषि उपसंचालक फूलसिंह मालवीय से उनके कार्यालय में मुलाकात की और उन्हें एक लिखित आवेदन दिया था जिसमें मैंने यह भी कहा था कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सलिल दीक्षित के द्वारा घर में किसानों को वितरण किए जाने वाला बीज की बोरियां रखी हुई है जिस पर उपसंचालक फूलसिंह मालवीय ने कहा था कि यह बातें हमारे पास बोले हैं यह बीज तिल, उड़द और मूंग बीज को लेकर कलेक्टर साहब से चर्चा मत करिएगा नहीं तो हमारी नौकरी खतरे में आ जाएंगे हम जल्दी जांच करेंगे। इसके बाद उपसंचालक के द्वारा चर्चा के दौरान कहा जिससे लगता है कि वह अपने कर्तव्यों से पीछे हट रहे है या अपनी जिम्मेदारी को छुपाने की कोशिश कर रहे हैं।

इनका कहना हैं

किसानों को वितरण के लिए आया बीज के भंडारण को लेकर जब हमने उपसंचालक फूलसिंह मालवीय से चर्चा की तो उन्होंने सवाल का जवाब देने से बचते रहे और कहां की उक्त संबंध के बारे में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी कटंगी से जानकारी ले ले हमें कोई भी इस बारे में जानकारी नहीं है।

फुलसिंह मालवीय
जिला कृषि उपसंचालक

किसान को बीज वितरण के लिए आया हुआ बीज घर पर रखा हुआ हैं अब तो वह बीज का समय भी चला गया। हमने पूछा कि घर में बीज क्यों ले गए हो तो उन्होंने गोलमाल जवाब देते हुए कहा कि शनिवार -रविवार का दिन होने के कारण बीज घर पर ही रख दिया गया।

सलिल दीक्षित
ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी

जीएसटी रिटर्न में देरी पर 56 व्यापारियों को नोटिस, विलंब शुल्क वसूली की कार्रवाई शुरू

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट वाणिज्यिक कर विभाग ने समय पर जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं करने वाले करदाताओं के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग ने निर्धारित समय सीमा के भीतर GSTR-1 रिटर्न प्रस्तुत नहीं करने वाले 56 पंजीकृत व्यापारियों को विलंब शुल्क के संबंध में सूचना पत्र जारी किए हैं। साथ ही उनसे विलंब शुल्क की वसूली की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है।राज्य कर सहायक आयुक्त श्रीमती सरिता सिरसाम ने बताया कि प्रत्येक पंजीकृत करदाता के लिए समय पर जीएसटी रिटर्न दाखिल करना वैधानिक दायित्व है। इसके बावजूद कई करदाता निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।उन्होंने बताया कि 5 करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक टर्नओवर वाले नियमित मासिक करदाताओं के लिए GSTR-1 रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि प्रत्येक माह की 11 तारीख तथा GSTR-3B की अंतिम तिथि 20 तारीख निर्धारित है। वहीं, 5 करोड़ रुपये से कम वार्षिक टर्नओवर वाले त्रैमासिक नियमित करदाताओं के लिए GSTR-1 की अंतिम तिथि 13 तारीख और GSTR-3B की अंतिम तिथि 22 तारीख तय की गई है।सहायक आयुक्त ने स्पष्ट किया कि रिटर्न दाखिल करने में विलंब होने पर नियमानुसार विलंब शुल्क, ब्याज एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। लगातार रिटर्न दाखिल नहीं करने वाले करदाताओं के विरुद्ध जीएसटी पंजीयन निरस्तीकरण जैसी कठोर कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है।वाणिज्यिक कर विभाग ने सभी लंबित करदाताओं से अपील की है कि वे अपने बकाया जीएसटी रिटर्न तत्काल दाखिल करें तथा भविष्य में निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करें। विभाग के अनुसार समय पर रिटर्न दाखिल करने से कर प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ती है और कर अनुपालन को मजबूती मिलती है।विभाग ने यह भी कहा है कि किसी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियागत समस्या होने पर करदाता राज्य कर सहायक आयुक्त कार्यालय, बालाघाट वृत्त अथवा जीएसटी सहायता केंद्र से संपर्क कर आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

जिले में 09 जुलाई तक 311 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बालाघाट। चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 1 जून से 09 जुलाई 2026 तक कुल 311 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 545 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1447 मिलीमीटर निर्धारित है। जिले में 01 जून से 09 जुलाई तक 376 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए ।

208 कोबरा परिसर में नए केंद्रीय विद्यालय के प्रवेश के संबंध में विशेष

किरनापुर। 208 कोबरा वाहिनी परिसर में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई और सराहनीय पहल करते हुए नए केंद्रीय विद्यालय का शुभारंभ किया जा रहा है। वर्तमान में यह विद्यालय 208 कोबरा परिसर स्थित मोंटेसरी स्कूल के भवन में ही संचालित किया जाएगा। इस नए केंद्रीय विद्यालय में बालवाटिका I, II, III तथा कक्षा 1 से 5वीं तक की कक्षाएं चलाई जाएंगी, जिसके लिए ऑफलाइन प्रवेश प्रक्रिया आगामी 13 जुलाई 2026 से शुरू होने जा रही है। इसी संदर्भ में, दिनांक 09 जुलाई 2026 को मोंटेसरी स्कूल परिसर में अभिभावकों के लिए एक विशेष संवाद एवं शंका समाधान सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता नए विद्यालय के प्राचार्य श्री चित्रसेन ठाकरे द्वारा की गई तथा इस अवसर पर श्री कुम्भार विकास विष्णु (सहा. कमा.) विशेष रूप से उपस्थित रहे। सत्र के दौरान उपस्थित अभिभावकों को नए केंद्रीय विद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया, उपलब्ध सुविधाओं, शैक्षणिक ढांचे और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, प्रिंसिपल एवं उपस्थित अधिकारियों द्वारा अभिभावकों के मन में उठने वाली विभिन्न शंकाओं और सवालों का अत्यंत आत्मीयता व संतोषजनक ढंग से समाधान किया गया।

कटंगी वार्ड 1 नट्टी टोला की घटना, पशु मालिक ने मुआवजे की मांग की

ट्रांसफार्मर की चपेट में आने से भैंस की मौत

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 01 नट्टी टोला में गुरुवार सुबह ट्रांसफार्मर से निकले करंट की चपेट में आने से एक भैंस की मौत हो गई। हादसे के बाद पशु मालिक ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुआवजे की मांग की है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार यह घटना गुरूवार 09 जुलाई की सुबह करीब साढ़े 9 बजे की है। नट्टी टोला निवासी सावन लाल राहंगडाले रोजाना की तरफ आज भी पालतू मवेशियों को खेत की तरफ चारा चराने के लिए लेकर गए थे। पशु मालिक के अनुसार भैंस जैसे ही ट्रांसफार्मर के पास पहुंची, वह करंट की चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

हादसे के बाद सावन लाल ने तुरंत ही बिजली विभाग, पुलिस, पशु चिकित्सा विभाग और राजस्व हल्का पटवारी को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद बिजली विभाग की टीम, थाना पुलिस, पशु चिकित्सा विभाग और पटवारी मौके पर पहुंचे। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पंचनामा बनाया। पशु मालिक सावन लाल ने कटंगी थाने में शिकायत देकर एफआईआर दर्ज करवाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रांसफार्मर के चारों ओर बाउंड्रीवाल नहीं थी और तार भी खुले पड़े थे। इसके पहले ग्राम जमुनिया में भी ट्रांसफार्मर की चपेट में आने से भैंस की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों का कहना है कि कई ट्रांसफार्मर बिना फेंसिंग के लगे हैं, जिससे जानवरों और बच्चों को खतरा बना रहता है। बिजली विभाग से मांग की जा रही है कि सभी ट्रांसफार्मरों के चारों ओर सुरक्षा जाली और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

थाईलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी बालाघाट की रूबी अली खान

राष्ट्रीय 3-ए-साइड 'वॉलीबॉल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। जिले की महिला खिलाड़ी रूबी अली खान ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बालाघाट और मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। पुडुचेरी में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय फेडरेशन कप 3-ए-साइड वॉलीबॉल चैंपियनशिप-2026 में शानदार खेल का प्रदर्शन करने के बाद उनका चयन आगामी अगस्त माह में थाईलैंड बैंकॉक में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय 3-ए-साइड वॉलीबॉल चैंपियनशिप-2026 के लिए किया गया है।

जानकारी के अनुसार 26 से 28 जून 2026 तक पुडुचेरी के विलियनूर. में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की महिला टीम ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता में बालाघाट जिले की खिलाड़ी रूबी अली खान पिता मुबारक अली ने मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने शानदार खेल से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयनकर्ताओं ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम में शामिल किया है। टीम प्रबंधन से जुड़े मुन्ना एवं इरफान खान सहित अनेक खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी शानदार प्रदर्शन कर भारत का नाम रोशन करेंगी।

डायरिया रोको अभियानः पीएचई विभाग ने 10 गाँवों में सुधारे हैंडपंप, पानी को किया संक्रमण मुक्त

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

जिले में डायरिया के प्रसार को रोकने और ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (PHE) ने युद्धस्तर पर अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में 9 जुलाई को विभाग की टीम ने बालाघाट, वारासिवनी, खैरलाँजी, किरनापुर, लांजी और लालबर्रा विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया।विभाग की टीम ने 09 जुलाई को ग्राम सरण्डी, नांदगाव, मुरझड, मोहझरी, बिंझलगाँव, नीमदेवाड़ा, निलजी, पुलपुट्टा, नैतरा और रोशना का दौरा किया। यहाँ विभाग के तकनीकी अमले ने खराब पड़े हैंडपंपों की पहचान कर उन्हें तत्काल दुरुस्त किया, ताकि ग्रामीणों को पेयजल के लिए भटकना न पड़े। शुद्ध और सुरक्षित पानी सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने केवल खराब हैंडपंपों की ही मरम्मत नहीं की, बल्कि प्रभावित गाँवों के सभी सक्रिय हैंडपंपों में 'जर्मेक्स' (क्लोरीनीकरण) का उपयोग किया। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि क्लोरीनीकरण से जलजनित बीमारियों को फैलाने वाले कीटाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे डायरिया जैसी बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए अपील की है कि वे सावधानी बरतें। विभाग ने ग्रामीणों से विशेष रूप से आग्रह किया कि पीने के पानी को हमेशा छानकर उपयोग करें। पानी के बर्तनों को ढंककर रखें। इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। विभाग का कहना है कि डायरिया रोको अभियान के तहत आगामी दिनों में भी जिले के अन्य क्षेत्रों में इसी तरह की स्वच्छता मुहिम जारी रहेगी।

राज्य पुरस्कार स्काउट-गाइड जांच शिविर का जिला शिक्षा अधिकारी ने किया आकस्मिक निरीक्षण

बालाघाट। भारत स्काउट एवं गाइड राज्य मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार 6 से 10 जुलाई 2026 तक जिला प्रशिक्षण केंद्र, वारासिवनी में आयोजित राज्य पुरस्कार स्काउट-गाइड जांच शिविर के तीसरे दिन 08 जुलाई को जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन ने शिविर का आकस्मिक निरीक्षण किया।

शिविर पहुंचने पर स्काउट-गाइड कैडेट्स ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर, स्कार्फ पहनाकर तथा जनरल सैल्यूट के साथ सम्मानपूर्वक स्वागत किया। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के सौंदर्यीकरण का संदेश दिया।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती जैन ने जिला प्रशिक्षण केंद्र के विभिन्न कक्षों का अवलोकन किया तथा स्काउट-गाइड प्रतिभागियों से सीधे संवाद कर प्रशिक्षण संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्काउटिंग, सु-नागरिकता, अनुशासन एवं सेवा भावना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को जीवन में इन मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही राज्य पुरस्कार जांच शिविर में शामिल सभी स्काउट-गाइड को सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिला परियोजना समन्वयक श्री मोहित डहरिया ने प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 6 से 10 जुलाई तक आयोजित इस राज्य पुरस्कार जांच शिविर में कुल 80 स्काउट-गाइड भाग ले रहे हैं, जिनमें भोपाल के 16, विदिशा के 6, जबलपुर के 14 तथा सर्वाधिक 41 प्रतिभागी बालाघाट जिले से शामिल हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी ने शिविर की व्यवस्थाओं एवं प्रशिक्षण की सराहना करते हुए जिले के सभी विद्यालयों में स्काउट-गाइड गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

शिविर का संचालन शिविर संचालक श्री रमेश बारिया के नेतृत्व में किया जा रहा है। सहायक शिविर संचालक के रूप में श्री रामचंद्र सोलंकी, श्री नायक राजपूत, श्रीमती सायराबानो, सुश्री निर्मला बेनर्जी एवं श्रीमती रिजवाना परवीन अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बालाघाट जिले में शिविर के संचालन की जिम्मेदारी जिला संगठन आयुक्त श्री इनेंद्र डहरवाल निभा रहे हैं।

इस अवसर पर जिलासंघ बालाघाट के कोषाध्यक्ष श्री भेजेंद्र चौधरी, डीटीसी श्री डोलीराम भगत, सचिव श्री राजकुमार टेमरे, श्री सोहनलाल पटले, श्री सुरेंद्र सिंह पंद्रे, श्री नंदकिशोर आड़े, श्री भुनेंद्र सीलेकर, श्रीमती लक्ष्मी विष्णु पटले, श्रीमती नीता बोपचे, श्रीमती रत्नमाला गौरे सहित अन्य जिलों से आए स्काउटर-गाइडर श्री संजू मेवाड़े, श्री शुभम ठाकुर, श्री भागीरथ शर्मा, श्रीमती फरहद खान, श्रीमती निशा शेंडगे तथा कुमारी रितिका कुशवाहा उपस्थित रहे।

समर्पित समाजसेवी के रूप मे भोपाल मे सम्मानित हुए मंगल प्रसाद रैकवार

हरिभूमि न्यूज किरनापुर।

अनादि टीवी न्यूज चैनल भोपाल द्वारा राजधानी में एक भव्य एवं गरिमामयी राज्यस्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमे मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत एवं राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल मुख्य आतिथ्य बतौर आमंत्रित रहे! उनकी इस विशेष गरिमामयी उपस्थिति में प्रदेश के जांबाज पुलिसकर्मियों और समाज के प्रति समर्पित समाजसेवियों को सम्मानित किया गया।

इस प्रतिष्ठित मंच पर बालाघाट जिले के किरनापुर के समर्पित समाजसेवी मंगल प्रसाद रैकवार जी को उनके उत्कृष्ट निस्वार्थ और निरंतर जनसेवा के कार्यों के लिए समर्पित समाजसेवी सम्मान से नवाजा गया है

कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत और राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल सहित अनादि टीवी न्यूज़ चैनल एंव कृपलानी ग्रुप के प्रमुख ओमप्रकाश कृपलानी जी ने मंगल प्रसाद रैकवार जी को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथियों ने रैकवार जी के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज को ऐसे ही समर्पित और कर्मठ नायकों की आवश्यकता है जो बिना किसी स्वार्थ के अंतिम छोर के व्यक्ति की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

जैसे ही मंगल प्रसाद रैकवार जी को प्रदेश स्तर पर सम्मानित होने की खबर बालाघाट के किरनापुर पहुंची वैसे ही समूचे किरनापुर क्षेत्र में हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया। इस बड़ी उपलब्धि पर जिलेवासियों, इष्ट मित्रों और शुभचिंतकों का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है।

एकीकृत कृषि क्लस्टर (IFC) ने छाया कुम्हलवार को दी आत्मनिर्भरता की नई पहचान

बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विकासखंड वारासिवनी के ग्राम कोलिवाड़ा की निवासी श्रीमती छाया कुम्हलवार ने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। एक समय खेतों में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाली छाया आज अपने स्वयं के ब्यूटी पार्लर का सफल संचालन कर रही हैं और आर्थिक रूप से सशक्त बन चुकी हैं। ऐसे परिवर्तनकारी उदाहरणों का दस्तावेजीकरण और प्रसार ग्रामीण महिलाओं को प्रेरित करने के लिए भी किया जाता है। वर्ष 2022 में हरितक्रांति आजीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद छाया कुम्हलवार को आरएफ, सीआईएफ तथा कैश क्रेडिट लिमिट (CCL) के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई।

एसडीएम के निर्देश पर तहसीलदार ने किया ग्रामों का औचक निरीक्षण, स्कूल-आंगनवाड़ी व पेयजल व्यवस्था का लिया जायजा

बालाघाट। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बालाघाट श्री गोपाल सोनी के निर्देशानुसार गुरुवार को तहसीलदार सुश्री छवि पंत ने तहसील बालाघाट अंतर्गत ग्राम बघोली, अमेड़ा एवं रट्टा का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान तहसीलदार ने संबंधित हल्कों में पटवारियों की उपस्थिति एवं शासकीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अभिलेखों का परीक्षण कर राजस्व कार्यों में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस दौरान तहसीलदार ने शासकीय विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों एवं ग्राम पंचायत भवनों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल भवन एवं आंगनवाड़ी भवनों की स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीणों को उपलब्ध पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को पेयजल संबंधी समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तहसीलदार सुश्री छवि पंत ने विद्यालयों में संचालित मध्यान्ह भोजन (मिड-डे मील) की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।